यूपी के सीएम ने धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट का किया लोकार्पण, बोले :

तीर्थ स्थल सांस्कृतिक एकता के केंद्र

लखनऊ (डीएनएन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की चारों दिशाओं में स्थापित तीर्थस्थल पर्यटन के केंद्र मात्र ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकता के केंद्रबिंदु हैं। जब लोग विभिन्न दिशाओं की धार्मिक यात्राएं करते हैं तो इससे देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता को भी बल मिलता है। इस प्रकार की यात्राएं सनातन परंपरा की विराट सोच की परिचायक हैं। यही कारण रहा कि तमाम मत मतांतरों, भाषा व रहन-सहन आदि की विविधताओं के बावजूद भारत राजनीतिक दृष्टिकोण से संगठित एवं मजबूत बना रहा।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर कैलाश मानसरोवर एवं सिंधु दर्शन के श्रद्धालुओं को अनुदान वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कतिपय कारणों से बीच में कैलाश मानसरोवर की यात्रा स्थगित हो गई थी, जिसको फिर केंद्र सरकार के सहयोग से शुरू कराया जा सका। उन्होंने कैलाश मानसरोवर की यात्रा को कठिन एवं चुनौतीपूर्ण यात्रा बताते हुए कहा कि इसके बावजूद जहां चाह वहां राह को चरितार्थ करते हुए तमाम लोग प्रतिवर्ष कैलाश मानसरोवर की यात्रा करते हैं। योगी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर से भारत भूमि के भावनात्मक लगाव को स्थापित करने एवं इस यात्रा की कठिनाइयों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने अनुदान देने के साथ ही इसे दोगुना करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कैलाश मानसरोवर के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को और अधिक आसान बनाने के लिए जो काम किया है वह सराहनीय है। इससे श्रद्धालुओं को कैलाश मानसरोवर की यात्रा में काफी आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा

- ✔ योगी ने कैलाश मानसरोवर के श्रद्धालुओं को 50-50 हजार रुपए का चेक सौंपा
- ✔ सिंधु दर्शन के यात्रियों को भी 10-10 हजार की अनुदान राशि के चेक वितरित किए

कि धर्म मात्र पूजा पद्धति ही नहीं बल्कि इससे कहीं विराट है। जो व्यक्ति को सदाचार एवं नैतिक मूल्यों के प्रति आग्रही बनाता है। जब हम धर्म को विशाल दायरे में देखते हैं तो यह लोक कल्याणकारी हो जाता है लेकिन जब इसे संकुचित दायरे में बांधने की कोशिश करते हैं तो यह समाज में कठिनाइयां पैदा करता है। प्रतिवर्ष लद्दाख में आयोजित होने वाले सिंधु दर्शन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन से वर्तमान पीढ़ी को अपनी वैदिक कालीन प्राचीन संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलता है। उन्होंने इस आयोजन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता कराने की बात कही। योगी ने ऐसे धार्मिक आयोजनों को समाज एवं जनता का कार्य बताते हुए कहा कि इन आयोजनों के लिए सरकार से सहयोग की अपेक्षा करने के बजाए जन सहभागिता एवं सहयोग बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब सभी कार्यो के लिए सरकार से अपेक्षा की जाएगी तो दुर्व्यवस्था फैलने की संभावना बनी रहती है। इसलिए कैलाश मानसरोवर सिंधु दर्शन आदि धार्मिक आयोजनों के लिए समाज को स्वयं खड़ा होने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने चार धाम यात्राओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी हरिद्वार के बाद श्रद्धालुओं को पैदल ही इन यात्राओं को करना पड़ता था। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार वहां रेलवे ट्रैक बिछाने का काम कर रही है। जिससे ये यात्राएं और सहज हो जाएंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट का लोकार्पण किया। इसके माध्यम से काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी में ई पूजा, ऑनलाइन डोनेशन एवं धर्मार्थ कार्य विभाग की सभी योजनाओं एवं परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी। इस वेबसाइट को ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से भी जोड़ा जाएगा, जिससे कैलाश मानसरोवर यात्रा, वरिष्ठ नागरिक यात्रा, सिंधु दर्शन यात्रा एवं विभिन्न यात्राओं के लिए ऑनलाइन आवेदन के साथ-साथ अनुदान की भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने वर्ष 2016 में कैलाश मानसरोवर की यात्रा करके लौटे 94 एवं लेह लद्दाख के अंतर्गत सिंधु दर्शन कर वापस आए 71 तीर्थ यात्रियों में से कुछ को प्रतीक के रूप में क्रमश: 50-50 हजार एवं 10-10 हजार रुपए की अनुदान राशि के चेक वितरित किए।